

१ मूधमयाति रुनात्वं मग्मलामविश सद्यस्त्वान् संसान सागना इष्ट्व वृद्धत्वं यति ह्यमनाय
यूष्मादी वृशनाय श्रीह नक मंउल वा हा मवा क निष्ठा मि यूष्मादि नर्क ल द्य क न नीर्य

माउला सिमल विष्टि हा म

आदि वृष्टि विष्टि

१॥ नमः शिवाय ॥ विमलध्याननदी मधुलक्ष्मि गङ्गायलिकी यथादिसिद्धं यत्कान्तं व
 उद्योतं संप्रद्य ॥ यः सा ॥ हस्तनयुक्ता मधुलाधियमि मस्तुत साहसगर्भयल्लिङ्गा गमाकनमः
 यथावयथम् ॥ मन्त्रं यवमावर्कसा यथम् ॥ सदावधुगयीमति ॥ लुप्तियवियहः
 विधिः ॥ ॥ गमायामन्त्रस्य जग द्वाहृ गयदनिविद्यं कथामिनिविन्नयित्वा ॥ १॥
 श्रीवनशावना ॥ अटितिधुनानाम् ॥ ॥ जगन्नेत्रिस्तु द्वाहृ विम्ववदस्मिन् द्वाकाव
 किञ्च जह्नु लवकुविगनेति ॥ सधे कथलीरुमं वज्रयाकान् यजल गलजालविनानमध्याय
 जगद्दृष्टेह्नाल विश्वकूलिग समयीकमीविराग्य ॥ गमध्व अटिति वज्रसत्त्वय्यात्मयवृत्त्या

१

ना

म

ॐ नमः शिवाय यवमा वज्रह्वाका विम्ववदस्मिन् रववकालीनाया लीरववददयनाकमाकु
 थानकलीननलव ह्नु लमविचिरीयथ ॥ कथनिवनिशिलजगविद्यवृत्तान् नीलपीत हविन मूव
 सद्यमलवस्तुमया द्वाहृ ललजिक्त सद्यमलवस्तुमया द्वाहृ ललजिक्त
 व्याघ्रवर्माश्रवा नीलाननवलसिमाद्वे ॥ १॥ सद्यमलवस्तुमया द्वाहृ ललजिक्त
 वज्रवज्रयीभधनाशी वज्रमूर्तिद्वयी यष्टल सद्यमलवस्तुमया द्वाहृ ललजिक्त
 कवीजयमूडया स्वाययस्तसमायन ॥ सद्यमलवस्तुमया द्वाहृ ललजिक्त
 गजकुंकावमूर्तिवदिद्युव स्वहृगमद्वाकाय यष्टमवमिनिदगदिसिद्यानी कथा द्वाकावाहृ

विगदगकाधुष समयथत ॥ आ. या. धू. नी. स्त्रान ॥ वक र्वदननधाय ॥ प्रकानं धाय ॥ प्रकाथान् धाद
 स्त्रानमसीगय ॥ यं. ला. धं. मु. न ॥ वजनथियावगुलनजाय ॥ नाशवध ॥ वक गूला काली यथा
 लावुय कीलकी कल्यान कलनमिव वाम वज मुखिनी गृहीतं दक्षिन कवल यथा न विद्रुय
 नावुर्न मृगे लं दीर्घनाथा स्त्राविन दैज ॥ दग कूयय विघानयुव ॥ ॥ कीवल नाथ
 ॥ ऊं घ घाटय भू सव विघान दैरु ॥ कीनथ रसव यायान दैरु ॥ डै वज कील यवज ध
 या श्रावययनि सव विघुविनायकान् कय वाक्त्रि वजान कीलय दैरु ॥ डै वज मूल वज कील मा
 काठय र दैरु ॥ यं. ला. धं. मु. न ॥ १० ॥ डु विवस्ययुव कीलान् यव ॥ स्त्रानाजस्य यथिम कीला

२

गुन मायूकान् कगठ गनस यिन ॥ मायूकायउनयिन रवधसम ॥ रावना ॥ वका नजी नल वृथ
 विविक्त ॥ डै वज मृमाउक ०० ॥ डै आ १ ॥ वृथनन हूना मृती रत यनमानुसयी ॥ डै मय रमहाग
 य स्वाहा ॥ वृथनन मंदा किनी जलः रुर्न विविक्त ॥ मठिगि साध्वी दव नायकी स्वद्वी
 उमयुषे नागी नहून मलु लंयून मावि राव ॥ श्रावय ॥ नवसमययवयविश्व सदान
 एनड विरुय वाधिविरु वृथ याफुः ती लया कन सीरुर्न विरुयत ॥ विद्रुवसमय दव
 ती हून दव माया च विरुर्न विविक्त ॥ या. या. धू. नी. यूर्य. ला. धं. मु. न ॥ जाय सावैकमि कर्म जनि
 वाली यूर्य निवि य ॥ यं. ला. धं. मु. न ॥ वन भावि वाशन विधि ॥ ॥ यूर्य दव याग सुयं च

शूकलाश्या । अग्रादि कानस यमहाद्यादि ४ कजसा ॥ मूलकवैस मलुलनां आवायेनां खकन
 माया ॥ डैकजवकै ॥ धमकुल कल द्याय ॥ ॥ धनलियुव्वालस मलुलसमुख याद आ
 दाव दगुलिधुदाव कलगंन्याश धमधु ॥ दाव सावैकामिक कजसलेखन मलुलसहाय ॥
 डैखलुयाहैरुट ॥ धमकुन ॥ रावना ॥ मलुली जटिमिशुनानननन नकावर्क विद्युकिः
 वलादि विधियमिकविगसाया मलुलीः ॥ स्वदूया निदूया धादगांदिवां यायाथायिनी का
 निसयगां गव्युषाकुलकिलागस्यम धमु कामथग ॥ युगाधिमवाद्य मूडासमाययागदगाव हः
 नमूडासमाययासमूनालिनसूवगधनि समानिगे हनयर्क याद्यादिस्थाननिधश्च मदाभागे

दीन् ॥ जटिमिशुनानननन सयहूसी वलिकदवता मूर्तिमिताया ॥ या.पू.यं.ला.घं.
 सु.ग. ॥ वलि ॥ डैजैवकैकभूकवजडि कांमड मिनलिसिमनसा वाक्य ममृत मूयकुंजीग ॥
 रगवतसुहृताकिन्यादि काकाश्या ॥ दिनीव ॥ डैकजवक ०० मीवुलिगुद्र २ डैरुट
 ज० डैवै ॥ समयस्त्रीदा ॥ ॥ त्रिव ॥ कुदवतानी ॥ डैकज २ कवुयादि ॥ आवमन
 यं.ला.घं.सु.ग. ॥ वदि. ०० नुदिनी ॥ या.पू.यं.ला. ॥ डैखलुखादि २यादि ॥ आ
 वसन यं.ला.घं.सु.ग. ॥ इखा यिखायुजा ॥ ॥ डैमेलीकाविजथद ॥ धमकुन लाका
 स्थानडादाव ॥ डैसुहनिस्सुगै ॥ धमकुन मलुलहाय यं० धास्य वजयदन धवैस ॥ डै

ॐ हूँ ॥ दक्षिण ॥ ॐ श्री ॥ हूँ ॥ यश्चिन्म ॥ ॐ श्री ॥ श्री ॥ श्री ॥ हूँ ॥ उत्तर ॥ ॐ ॐ हूँ हनमात्रय स
 वदेष्टान् घाटय २ श्री ॥ ३ ॐ हूँ ॥ धनदाय ॥ मल्लमननसाय ॥ धूर्वदानस ॥ उत्तर घाट
 न ॥ ॐ हूँ ॥ घाटनसमये धूर्वदानस ॥ ॐ समये ध
 विगामीनि ॥ धर्मगुण ॥ स्नानमालान
 द्युय ॥ स्नानगान ॥ उमि ॥ सर्वसत्वा
 यन् ॥ ॐ ॥ ॐ निमलससाधनविधि ॥ ४ ॥ धर्मदत्ता ॥ लिकेनविधि ॥ नो धूर्व ॥ ॐ ॥ ॐ

ॐ ॐ

ॐ ॐ

ॐ ॐ

महूर

सुविशुद्धधर्मधर्मात्मानं वेधावनस्य ॥ ॐ ॥ नदाधियत्याशिश ॥ कस्याधियत्या शिक ॥ (आश्रम ॥ सुवि
 र्वात्तुनीनु यदा विन नाम विजमा धर्मात्मानाशिशर्क ॥ ॥ ॐ ॥ धर्म ॥ माला ॥ स्नानगुका ॥
 उदक ॥ ॐ ॥ आशिशर्क ॥ वज ॥ धर्म ॥ वज
 श्रम ॥ धर्माश्रम ॥ धर्माश्रम ॥ धर्माश्रम ॥ धर्माश्रम ॥ धर्माश्रम ॥ धर्माश्रम ॥ धर्माश्रम ॥ धर्माश्रम ॥
 क्रियाचननय ॥ मनुयाग ॥ धर्म ॥ धर्म ॥ धर्म ॥ धर्म ॥ धर्म ॥ धर्म ॥ धर्म ॥ धर्म ॥
 ॥ मनुयाग ॥ धर्म ॥ धर्म ॥ धर्म ॥ धर्म ॥ धर्म ॥ धर्म ॥ धर्म ॥ धर्म ॥
 ना द्विशाशिशर्क उग्रम ॥ सर्वज्ञानादि विद्यानी गायानादि ॥ ॥ अध्याय ॥ वजावायोशिश

धर्क सा ॥ वजावायेया अग्निधक सायुनु ॥ मर्क ददि ॥ जग विठन ॥ कया निधु ॥ कनु धामयन
 ॥ स्वयनाथ ॥ थवर्ग मीयुयान ॥ समथल्यान ॥ समथरुय कस ॥ यना द ॥ ग्वनत ज ॥ ल्वगुसा
 दन ॥ द्युयसादयाकन ॥ ॥ रावः
 टाकालेकमं यूव्वेदाय सिहासनसूः
 गमयग ॥ अज्ञासुमूकं ॥ दैकावर्जवर्ज
 नरुडसर्वात्मा वजगद्वायमियमि ॥ वजविय ॥ ॥ ग ॥ यरु निविशु द्वियुगन द्वाधमधिमनु
 अद्वीरवमि नीयमानाकमन गल्लराववज ॥ धावतानियमर्त ॥ वजसमय ॥ ॥ अज्ञावर्ज

धर्म ॥ ॐ यं सा ॥ ५४ ॥ सर्ववृद्धानां ॥ समस्तवृद्धया ॥ धर्मो धार्या नृगमः स्मृता ॥ धर्मो यागवृत्तः
 अनुगमश्च वसाङ्गन ॥ त्वया दिदि ॥ धुनश्च हावकान ॥ सदा धार्या ॥ सदा धनजयत ॥ वाचि
 यः ॥ आनया अगुधस्य ॥ जिने मना ॥ गथागमसीक्षाया ॥ धर्मो विय ॥ ॥ वहुजगानि
 धर्मस्त्वैव सदमुदगनानिदान गथा ॥ गमा निधिमिथाजनाय सधनि ॥ धर्मो मे मये
 ॥ ॥ स्वराव गुहादि रयः स्वरा ॥ धर्मो मे मये ॥ स्वरावसुद्धः ससत्त्व क्रियत यजः
 भावः ॥ धर्मो धार्या ॥ ॥ आलिगनमूडायावक ॥ मूडा दि ॥ अमामूडा वाकन ॥ समयः ॥ धार्या ॥ धर्मो
 मे मसीक्षाया ॥ मना मुक्तिः ॥ चिरुयास्तव्य ॥ दृष्टमेत्वे ॥ धार्या कायाकन ॥ सर्वमूर्ति ॥ समस्तमूर्ति ॥

दृढायनः क्रांतकन यवनमूडा ॥ ननः मूडा ॥ अमन मूडा ॥ यकलिना ॥ कल्यानाया ॥ य
 ह्याय मयमहासुखात्तसीवृद्धसुखाव सुदृढयागनाधनाय मूडा समयः ॥ ॐ निष्ठि समय ॥
 ॥ चनामधु समय विय ॥ ॥ यइकं यत्र मायमं ॥ वडं ॥ वडधनवय ॥ मल्लन ॥
 नल्लसूयन ॥ सीया ॥ काय ॥ घंटा ॥ ध ॥ भन वायम ॥ घं शयु धर्मल वादवययक ॥ सम
 य ॥ व ॥ महा मूडा ॥ धर्मधनवयस आ ॥ लिंगनमूडा ॥ अविद्याय ॥ धनसिद्धियाय ॥ द
 दाजय ॥ हृदयमनु जाययाय धर्मा ज्ञाया ॥ ७ ॥ तावत् ॥ स्वद्विज विनिगुत दवतावृ
 द्वाकागधु नरिषिष्टमानं विविष्ट ॥ गंवल्लवनदाय ॥ अलिषकं महावडं उधरकन

मस्तुर्न ददामि सर्ववृद्धानां त्रिगुकालयसीरुतं ॥ ॐ सर्वतथगतालिषकसमप्रियदं ॥ ॐ सुयनिष्ठि
 नवजस्त्रादा ॥ वनननवक युष्टादियुजा ॥ ॥ गथावार्क ॥ यानिष्टु समालिंघ ॥ लाहान
 नयान आलिंगलयाव ॥ यस्तु वे वाउ ॥ भाटिका ॥ शुभता जिमवता ॥ वध वड समाथा
 ग ॥ घंटा वडवा उरियागन ॥ दाः ॥ वाय सवनमन ॥ आवायया शुचिनाधर्मा ज्ञाः
 या ॥ मल्लनतल ॥ मल्ल ॥ मल्लशयु ॥ यममि लुर्क ॥ यल्लधर्मा ज्ञाया ॥ मनामलुः
 लमूर्म ॥ विरुयामल्लनं ॥ कुर्यागन मिनिहूर्न ॥ कुर्यागन थयकाववृहून ॥ विरुहूट
 समुद्रय ॥ विरुयाकूट उव यवद्विद्यादि ॥ दवतागती ॥ संकयभा ॥ यवर्कधसमासन ॥ वृ

यद्यदनमंस्तु सत्कान विह्वलस्वचूयन ॥ यद्यवृद्धाश्चकल्यिनाः ॥ यद्यवृद्ध यकल्यनायाहा ॥ ॥ ॥
वेदक्यानिधकायनमायायोनिधकविधिः ॥ ॥ ॥ नमः स्वयं साष्टगगजयं किञ्चिदवा रुदयादि
मर्कदद्यात् ॥ दक्षासिमयारुगवनं ॥ अस्मिन्मन्त्रिदिभारुवः ॥ जायमिषाविय ॥ मिषा
नकायकं ॥ गृहीतासिमयारुगवनं म ॥ मिमन्त्रिदिभारुवः ॥ ॥ निष्ठुल्युदगायं ॥
ह्यादिसिद्धिवीजाधनाय यनमाधेम ॥ नुसिद्धिः शुभं शुभं मनुया ० न ॥ ॥ रावना ॥
मिषास्यवृद्धाश्चकल्यिनाः ॥ उं वजनं गायतनं यटलजी ॥ ॥ जीवननवलकं ॥ ॥ नयटली व
त् ॥ अयनिर्गं जिने-सुव ॥ गलाका वंशजाजन यथा लाकस्य नमिर्ग ॥ ॥ अहून-यटलाः
राजिष्ठा भावकः ॥ वृद्धाकोली ॥ मनाकान ॥ गच्छेद्यन लोकयो निष्ठु भावकः ॥ ॥

२०

दं ॥ नमा स्वहृद्दीजन्मातीत लावनादिसमायनं वेवावनादि नथागना त्मनि वेवावनदावध
यवश्च मदात्रालादविह्वल्य अत्रधूत्या निगच्छन्का वजसलो सदृज्जिनीकृत्य अंगुष्ठनामि
काशी वजसलिययीशु वजसलि यथा ॥ इदं नथागगडवचूयं स्व वाधिविह्वल्यजिनः
मधिमृश ॥ वाक्वजसूयं मिषीराव यन ॥ ॥ मिषानजत्रयूः दिवकं दाथजाय
यकं नसी गुनसकं अथावधायवक ॥ ॥ मिषानधया ॥ द-रुगवनं ॥ शाद्विरुगवानं ॥ म
दागन ॥ मदागनविरु ॥ वजयाग ॥ वजयागस ॥ कनलान ॥ वि-यादावविष्काक ॥ मूडायसी
दका ॥ मूडायसीदयाह ॥ ॥ य-य ॥ शुक्लयाव ॥ वजयागसमूरुव ॥ वजयागडवयाहन ॥

थिरु मनुन गन. मीरु यन् ॥ ॐ नित्यु नि या द्य समर्थ यन् ॥ सायिर्क क मादि रि १ सु सु गी धि क ह्य म
 न म्ब न् अ वृ ज् द र्भ य नि गि र्भ ॥ ॥ य ह्म व द न् ॥ किं. ल. मु न्म र्भ स. व स्म. वि. मु न्मा दि च र्भ कः
 लं. न क. मु र्भ. न भ्म. मा र्भ. मु र्भ. रु कि.
 सु ख. मि नि ॥ उ या य व द न् ॥ कि वार्द.
 स दा मु र्भ. वृ व न्. रु ग य द्भ व ॥ य ह्म य
 य १ स व नि वि धा न न ग ह्या द्भ म ग न स्मि न् ॥ कृ न्म य द्भ य थ र्भ स व द्भ ना ध ना दि र्भ. स्व र्भ व द्भ य
 ग ज्ञा अ र्भ व दि स दा स्मि न् ॥ रु ज भा द्भ १ ॥ ॐ नि व द न् ॥ ॥ सा व न्ना ॥ स्व र्भ य स म्ब न्म र्भ

२३

यु ह्म द्भ यी शा व द्भ या गि नी नू या नि द्भ य ॥ ॐ नित्यु नि या द्य समर्थ यन् ॥ सायिर्क क मादि रि १ सु सु गी धि क ह्य म
 मा य द्भ व कृ यी न द्भ १ का र्भ वि र्भ य ॥ वा म वा र्भ ग मा नी डी म ग स्म. व कृ डी १ का न या न र्भ न्या डि कः
 यी व गी ल्का न य र्भ व र्भ १ उं य ३ द्भ ४ स्वा द्भ
 व नि मा न र्भ ॥ ॥ वि द्भ य द्भ ॥
 चा व ॥ वा धि वि र्भ न ॥ व द्भ ल्भ म र्भ व ॥ वा
 व स द्भ. डा न न् ॥ वि र्भ मू या द्भ ॥ वि र्भ उ ल्का द्भ ना या चा व ॥ वा ध य न् ॥ वा ध य न् ॥ या व न्. कृ न्म.
 या गी ॥ ग व ल्भा म र्भ न या य या गान् ॥ वा धि वि र्भ वि स र्भ न् ॥ कृ न्म वि र्भ व द्भ गी उ न् ॥ मा व न्.

याप्राप्त्य ॥ थलाभा लायु ॥ विद्विर्न किं ॥ वटस वृचर्कः दूधाय ॥ मध्या नन्दर्जः सुखं ॥ सदजानंद
 सुख ॥ यमिभः वाविचिरुः ३ ॥ यउ नययः हनविहस ॥ सर्वसिद्धिनिधानक ॥ समस्तसिः
 द्वियाः रुजसः ॥ मूत्रिगः ॥ मूत्राशयः ॥ स्कंधविह्वनः कृत ॥ भवित्रया विह्वनसः गतः ॥ २४
 सिद्धिः ननिदिन ॥ सिद्धिः निदा मज्ञ ॥ यु ॥ यक्षययकैतः ॥ यक्षयाय नार्यलावकायाक
 नन ॥ शमानः ॥ कल्यानशर्न ॥ मर्त्यः स ॥ मयलक्षयत ॥ मत्तः डयस नवनय ॥ वजययक
 त ॥ वजययक याकत ॥ शिरु मध्या नगन ॥ विह्वनगनस ॥ मीकयत ॥ खन ॥ हूः दूया अः
 नूकायत ॥ सदजानन्दयुयः यक्षह्वनमूत्रात ॥ हूः नियह्वननाशियक ॥ ॥ नभायुधुथः शियक ॥

हूः दानि ॥ आव ॥ ह्वनविभधनार्थः ॥ ह्वनविभधनयायसु ॥ यथैकविधिना ॥ गथेज्ञान विभा
 नन ॥ गृहीत ॥ कायः ॥ यक्षह्वनाशियक ॥ यक्षह्वनअशियक ॥ सेवः वधुथः शियक ॥ थथः वधुथः
 शियक ॥ रुलह्वन ॥ रुलडत्यहिमाय ॥ मशियक नतः वकयं ॥ अशियकधया नतः क
 याः ॥ नाः शियिका ॥ अशिय ॥ कमलायुशन ॥ शिधाः यागी यागित्व ॥ ग्वन जा
 गनया कन जागियाशान ॥ मशियादु ॥ निः ॥ वीष्टुशयु नायु ॥ दनार्कः ॥ दननयवः ॥ मूष्टि
 काः काशः ॥ गुंज ननः आकाशः ॥ यिववः ॥ भान ॥ मृगरुष्टिका ॥ रुमिका लाभात्थ ॥ यइकी ॥
 धूमनः ह्वयनः वक्रि ॥ कूयानिमीहिनसयः मः ॥ गलिली ॥ लीखयय ॥ उवलाकया ॥ वाहायया

निहित ॥ निमित्त ॥ हयम ॥ निर्मलनूयन-मय ॥ गगनवाधिसत्वस्य ॥ वाधिसत्वया ॥ गगन ॥
 धिमन ॥ हनयाकन ॥ यूनवाय ॥ अशिक्षक ॥ निध ॥ रिन्न ॥ दीश ॥ सनायकान ॥ वागश्याड ॥
 अस्मिन् ॥ गनु ॥ युवागिर्ग ॥ (थ ॥ गनुय ॥ युकागयाडा ॥ आवाय ॥ आवायानिधक ॥ गुध ॥
 युकागिधक ॥ यहुय ॥ यहुहना ॥ रि ॥ धक ॥ वहुथ ॥ वहुथानिधक ॥ नित्यनरुथ ॥ धनलि ॥
 (थ ॥ गथ ॥ यूनवृक ॥ यनमानन ॥ र ॥ व ॥ धक ॥ यनमानन ॥ सीसावधसी ॥ ज्ञाया ॥ निध ॥
 लंन ॥ विनागन ॥ निधनस्रनूय ॥ विनमाननयाकन ॥ मधुमाननमागनु ॥ समावान ॥ आनद ॥
 मागुशक ॥ मरुज ॥ मरिर्विर्विर्ग ॥ मरुजानन ॥ थथदाकान ॥ गाउतव ॥ अनादि ॥ आदिमदा ॥

निधन ॥ अर्नमदा ॥ गगन ॥ गगनमूर्ति ॥ लावालावान्नर्कविर्ग ॥ दा ॥ मदा ॥ विरुत ॥ स्रनूय ॥ गूना
 ना ॥ कवृध ॥ रिन्न ॥ डयाया ॥ युह ॥ रिन्नमश्रूय ॥ वाधिविर्ग ॥ मिनि ॥ स्मृत ॥ धनमथागमयाविर्ग ॥ स
 थ ॥ स्वयंयथ ॥ मिनि ॥ रिन्न ॥ थमथ ॥ थ ॥ मसय ॥ धनरुन ॥ वाकथमीन ॥ गगन ॥ ववन
 नलायगुति ॥ गगनमदा ॥ अविष्ठा ॥ नयद ॥ ध ॥ अविष्ठायायद ॥ वाकन ॥ गग ॥ स्र
 ह ॥ ननमय ॥ थम ॥ समरुवृद्धयाथमय ॥ यथवाक ॥ जयनि ॥ सुखगज ॥ जयनयन ॥ स
 दजानन ॥ नय ॥ कावलावदिन ॥ थ ॥ कर्मलगाउमा ॥ सदादिगा ॥ जगर्ग ॥ शासिन ॥ डल्लि
 शव ॥ सीसावया ॥ य ॥ स ॥ निगदन ॥ समय ॥ गन ॥ अमा ॥ ववननलाय ॥ वनस ॥ ववन ॥ उविडा ॥

वचनदीनशवः ॥ वचनं संवर्द्ध ॥ तथागतस्य न रूपाय ॥ मदाः सद्वर्जानंदखलाय वचनन ॥ गु
चूकदः ॥ गुवृक्षकनिव ॥ न. न. वृक्षः सीमाशमदाः शुभाः वृक्षनयमिष्टान ॥ सद्वर्जावका ॥ सद
जानंदलाय ॥ अमियवसः ॥ अमृतया सवाद्यधिद ॥ कासुः कदिः जयिः कीमा ॥ गवर्जः
जायः शुर्न शुर्न ॥ तस्मात्तमार्क गुवृक्षालाया सद्धिषी ॥ अयः म. सरुली
जन्म ॥ आवः ॥ सरुलशवः जायवया आः ॥ सरुली ॥ सरुनशव ॥ जिविविर्नः वमः ॥
महाः ॥ अयः ॥ आवः ॥ वृक्षकुलः जाभाः ॥ तथागतकुवसजायवयाः ॥ वृक्षपूजाः शसिः माय
र्नः ॥ तथागतस्य वृक्षशवः आवः ॥ ॥ निवृत्तार्थमिष्टकविधिः ॥ विद्यावग ॥ गुवृक्ष

२३

युक्त्या लाधः ॥ शिवाया लाहाधसविय ॥ गुवृक्षवलाहाधन ॥ द्यौः सदितनः आरुतः जवलात
वजसदितनः नक्ष्मी माउः कयमावर्कः थासीनः ॥ साकिः ॥ ययमरु ॥ साकिदाकाः
सकलः ॥ तथागता नृमाकीकृत्या वृक्षमनूया साकियादावः ॥ नाः न्यायायनः ॥
मदानः मवृडयायनः ॥ वृक्षस्त्री शुर्नः वृक्षशयः शुर्नशवः ॥ व. दीः जगजयः ॥ ॥ यय
जिलाकसः ॥ तस्माद्विथागः ॥ धर्मनः वायसावः ॥ मनसा ॥ लवउतः ॥ माकीकीः ॥ ला
वजयवः ॥ स्त्रीः कदावनः ॥ कनः गवर्जसः ॥ ॥ दीः न. लववृक्षानां ॥ ॥ गुडिः समसुवृक्षदाकासः ॥
विद्यावगः ॥ मनूरुर्नः ॥ विद्यावगनरवः माकनार्कः ॥ अतिकामनिः ॥ थाः मूरुः ॥ लावयायुशभाः

वयर्थदाव ॥ ॐ शिवज हृदय नूक हं रुद्र स्वाहा ॥ रस ॥ ॐ सर्ववृद्ध जकि नीय वज वधु नीय हं
 रुद्र स्वाहा ॥ ३ ॥ वा प्रवर्मा ॥ ॐ धन रक्षाय २ मर्द रक्ष धृक हं रुद्र स्वाहा ॥ ॐ वज व
 शव नीय हं रुद्र स्वाहा ॥ जिज कं वजी ॥ गृह दत्त म भा वीन वजी अशा सा लर्क ॥ आव
 ज सत्त्व स्य मूडयं वदि न आत्म सी सिर्ग ॥ ॐ वज धर्म समय सी इत्तु २ आ सा लि २८
 क हं रुद्र स्वाहा ॥ ॐ डी ४ रुद्र हं हं रुद्र ॥ ३ ॥ कुल ॥ गृह दत्त म भा वीन कुलामि
 मा मा मर्क ॥ आव ज सत्त्व स्य मूडयं वदि न आत्म सी सिर्ग ॥ कुल ॥ ॐ वज सूर्य न भा
 वि धमय समय सी वत्त धृक हं रुद्र ॥ ॐ ३ सर्ववृद्ध जकि नीय सादि ॥ ३ ॥ गृह दत्त म भा

वीन कठिका नत्त संन वा लर्क ॥ आव ज ॥ कभी ॥ ॐ भगवत यन स भगवत ॥ द्वा दि जि न
 जि क हं रुद्र स्वाहा ॥ ॐ द १ न म डि ४ स्वाहा हं वा य ट हं हं द ४ रुद्र २ र्द ॥ ३ ॥ गृह दत्त म भा
 वीन वृच कं भगवत लर्क ॥ आव ज ॥ ॥ व
 वं हं थों डी मां डं डी हं हं रुद्र ॥ ३ ॥
 वज ॥ म ख ला क ध ॥ ॐ शिवज
 ला ॥ ॐ क न र्य वं उ ला दि मं ग ल यार् ॥ ॐ न मा र ग व न वी न वी न भव ज थ सा दि ना
 खर्क ग उ म नू ॥ गृह दत्त म भा वीन खर्क ग उ म नू या र्क ॥ आव ज सत्त्व स्य मूडयं वदि न आत्म सी सि

मी ॥ उमत्र खर्वाग नखसूक सिद्धवाग कर्तुयदा का काखाग यथा रवलादि ॥ ॥
 खालवलि सावनायाह वलिविय ॥ स्नानमालायाह थवथवमूलमकुल जाययागुनाग ॥ यी
 ला. घी. सु. नयेल ॥ खज याग सायक ॥ वलिविसर्जन ॥ वकीकुरुल वर्यान यदनया
 खनरुय धूवास दिग्वलिविय ॥ यी ॥ ला. घी. सु. न ॥ समय युवस जनवल मूठिखा
 ना ॥ दशिल थलवन नात्रिकन ॥ यशिम आकागवन कायनाखाना ॥ उरुन व
 माना र्कगयाग ॥ धूवास वलिविय दूजा सायक ॥ धर्मधूनदाव थवथवथायसेनयाव क
 युक्ति खानयानवि ॥ न वलि सावनायाह विय पाददूजा समरुसी दूजायावक खजआदि

२६

वलि
 यी धर्मधूनदाव युति गनाकन विसर्जन ॥ सादगदायनचर्यान काभाय ॥ मिश्रन मूजयूजा दक
 लानयक स्नानतानक मिश्रयावलि हवयानयहय ॥ वृत्तिवीनवयाविधि ॥ ॥ नभा
 नथगनवया ॥ नभा. र्द. वाक्यामि. ॥ ली. ॥ धर्म. जन. ज्ञानवया. वृ. ॥ वजसलसु.
 धर्म ॥ ऊरुय वजसल नथगनली ॥ रुव. इगतिना. दृश्य ॥ संमानइगनि याकन थ
 कायाद ॥ अत्यन्त. रव. गानय ॥ अंतव नर्क संमान गनियाय ॥ द. अमूकवजनामनथ
 गमसिद्धि र्कुरुव ॥ विनिर्मय ॥ ० न वाक्यामि ॥ वृथयामानुयनथगन वृयगिर्वा यथ
 व वाकियस सर्वनथगनि ॥ सीवा ॥ वाकिय ॥ वृत्तिगद्वानय ॥ वाकवनविधि ॥ ॥

सत्त्वाना. मनुकयार्थः ॥ सत्त्वदाकासः न कथय सत् ॥ विधिना मनुली स्या ॥ विधान (थ) मनुली स्या
 कन चून ॥ लिखितं च ॥ ययत्नः ॥ यादून यत्नः ॥ गंतुयाथा. शु. साधका ॥ गंतुयाजयत्नः सा
 धकया दूनः ॥ दृष्ट्वा युविष्टाय नर्म ॥ ॥ यावः इदमनः गतिर ॥ नदस्थारुम मनुली ॥
 गुफया उरुम मनुली स ॥ सत्त्वयाथः ॥ विनिमूका ॥ समस्त ॥ इष्टव न काउतन ॥ रुवा
 नथवः सुस्ति ॥ ॥ ॥ आ. निनर्क वा ॥ न ॥ नस्तयः श्रवर्नः ॥ न ॥ ननामूमान याय च ॥ ॥
 ॥ यानादस्मात्तदासु सुखात् ॥ श्रियाकन सरुजानंद सुखयाकन ॥ विवृतः रुवः इष्टवान् ॥
 ॥ यावः ॥ ननु सैमान इष्टवया जूनस ॥ अत्यन्तं सुखसिद्धयै ॥ सैमानसिद्धयकस ॥ अः

३१

६३

शारिषिक ॥ आवः अरिषिक ॥ आयुषान ॥ आयुषान ॥ सर्ववृद्धः ॥ समस्तवृद्धन ॥ सर्वज नि ॥
 वरुधनसननी ॥ उधुधक मदावाय ॥ उलाकया वाय ॥ स्वामित्व. मिनि. निश्चिर्न ॥ स्वामिताव
 निश्चयनरुव ॥ विनागसंभयार्थ ॥ विनागव उर्थि दयाय ॥ मनु. नास्ति ॥ मनुमदत ॥
 श्रिधुधक ॥ उलाक धाउ सै ॥ नस्मान् ॥ थ ॥ न ॥ कामविनागित्वे नकार्यरुवमा सदा ॥ का
 मया विनाग यायमठव चून सदाद ॥ सर्वकाभा यभागे मुवमत्त ॥ समस्तकाभा यभा
 ग नमवयन ॥ मकूभा सयै ॥ लयगर्नमदत ॥ र्यवर्मासा ॥ (ग) कादि ॥ मूर्मरु ॥ र्यवामृत विष्णु
 कादि (अ) प्रथकन ॥ नकाश्च. समया. ॥ ॥ नववयसवृधमर्व ॥ निश्चयनथन ॥ न. दि. या

(अ) दहन आदिन रुकल याय रु ना २

दि ॥ कृपायथादि ॥ ॐ आ ॥ ॐ वज्रं सुमिति ॥ हनयजं विसर्गं समयवर्जं आत्मनि अन्तर्निवृत्तं ॥
 कृपायामुख्यादि ॥ ॐ आ ॥ ॐ वज्रं सु ॥ जवन वज्रं यद्वैद्यनिर्णयं नायकविद्वान् वक्रसूयः
 लन वज्रं य ॥ धनम्विदुः विनायः ॥ ॐ वज्रं कील ॥ ॐ कीलय सर्वकी
 यादह ॥ ॐ वज्रं कील ॥ ॐ कीलय सर्वकी
 धमकुल कीलन ॥ ॐ वज्रं सु ॥ ॐ वज्रं सु ॥
 सान ॥ कीलन विसर्जन ॥ कलभलाय ॥ वज्रं कील ॥ मुहाव कलभ सधनक रवाह यन ॥ विसि
 स ॥ अरुदल यय सदाभसम ॥ शवना ॥ ॐ विनिगुणमानन ॥ विनिगुणमानन ॥ ॐ विनिगुणमानन ॥ ॐ विनिगुणमानन ॥

वज्रसर्प यद्वैद्यनिर्णयं नायकविद्वान् वक्रसूयः
 आग्रय गंखयाली नैमल्यं क कौटिक वायुय कलिक यदि सु सर्वनागमन विविद्य ॥ यय न्याग ॥
 ॐ वज्रसर्प यद्वैद्यनिर्णयं नायकविद्वान् वक्रसूयः
 हाय प्राय ॥ ॐ आ ॥ ॐ गंखयालाय ॥ ॐ आ ॥ ॐ गंखयालाय ॥ ॐ आ ॥ ॐ गंखयालाय ॥
 ला ॥ ॐ गंखयालाय ॥ ॐ आ ॥ ॐ गंखयालाय ॥ ॐ आ ॥ ॐ गंखयालाय ॥ ॐ आ ॥ ॐ गंखयालाय ॥
 हाय गंखयालाय कलिकयाय दवति महादवति सोमगिरि महागिरि दलुधन महाद
 लुधन अयलाल रुलदनी दायं ॥ सागन महासागन नक महानक आकानि महाकानि ॥

त्रकानि स्रुय मदास्रुय रुडादिक मदादव ॥ गिलि २ महागिलि ॥ ॐ रुक २ आगच्छ २ ॥
 मदानागमप्रियति रुडुव ४ रुडु स्वादा ॥ यी ला घ सु गगाक २ ॥ रुमायन विमर्जन रुज
 वायक ॥ ॐ मिलि २ रुज ४ स्वादा ॥ थ मंगल ॥ ना गयन स्वाय दारु लखान इद्र याय
 क कलग वालाव दारु ल इद्र क ॥ लग सरुय । लीखधदा स्वस्ति वाक्य यदयं य ३४
 न भूमिर्षु युविनमयाव यूजा सः मयद्याय स्नानगहाव धर्म भू ल सा स्त्रीयने
 मं उलदाभस तयाव थ लीखन मं उलय दासी थमआदिन समर्प अरिषकविथ ॥ को
 मानीयूजा गलवक करक ध्याय ॥ सखवलियये रु थमर्षु युवि विद्विज्ञा ॥ ॥ गुन ॥

ला ३

ॐ नमः श्री कालायाय ॥ सिधयुजाधूनदाव थनलिव मदान्याम समय सिधमादनि मूडा
 नमीयाव यिवर्य गच्छु वलिविये नदिनमस्वान प्रधावी सधव ॥ ४ ॥ किंचित्कलयनिगदा
 गुद ४ वलिसमाय वद गुद सुखागमद सादि मभिवमवायाद यसा १ ४ ॥ सत्यथवित्र ॥
 भा दमादिगश्चिर्षु वामीर्ननभा विर्विद्या मदयात्मर्क वरगुर्वदमूदास वदा ॥ ॥
 रुवगित्र गान ॥ गच्छु वीम ॥ यादयूजा ॥ नमदिमगुल गीम ॥ नृथ ॥ ॥ ॥ किंचित्कलय
 त्यादि ॥ गच्छु वलिविमर्जन ॥ गिगान दिशायाथ गुवमधु लवलिविमर्जन ॥ गिग रावना ॥ गि
 वी वैवाचननूयणा वलीव गवाहल ॥ गिगसि वजयप्रवकायविमूर्य सूर्यवदुल्ल कच्छु ॥

दनक २

यावकसर्वसक ३

वक्राः १० गुणानि वक्राणि यथास्ववगनीर्त्तं ॥ अ. या. नी. शिकायाभिधानं लाहाः
 मित्रका र्यवगवा वक्र गुणमगुल दादवय ॥ गायकाल सिधुकाय ॥ उं वजाहीवर्त्तं ॥ गिवावः
 हन काहुजुदुवानन ॥ उं वक्रवधववः ॥ मानयहा ॥ वक्रवध ॥ पात्ररु सुनिधावकीधन ॥
 दाहायक ॥ उं खगुनाहर्त्तं ॥ उं आः खीवी ॥ नर्त्तं ॥ इरीयन ॥ यमनिका यिवन यय ॥ गि
 लसिवर्त्तं धृत्वा ॥ रुवया ॥ गिवायय ॥ कर्त्त. सा. सूवनयियनि ॥ गु. वृगज साचि स
 हजानवसवय स्रष्टुगज ॥ गिवायनधायक ॥ गु. र. ल. र्त्तं ॥ जयनिकलानमवर्त्तं ॥ महासुखः
 नि ॥ सहजानवधर्ममवय याहवया ॥ नन ॥ सर्वथागचिरु मूल्यादयामि ॥ म्भउसखर्त्तं गनथा

य ॥ उं सूवनममयर्त्तं दा ॥ सिधुवज यथासुखमिति ॥ समलाविय ॥ अ. य. र्त्त. ॥ आव. वृग सकनी ॥
 वक्रवात्राकाभिष्टिभारविष्टासि ॥ वक्रवात्रादीर्त्तं ॥ अभिधानयायुना ॥ न. व. ल. य. र्त्त. ॥ मगव. वृग
 थयाथर ॥ सर्ववक्रवात्रादी ॥ समस ॥ वक्रवादी ॥ यत्रम नदस्य मगुल ॥ गविष्ट ॥ म
 यायाहमयामगुल ॥ यविष्टाय नवकः ॥ वी ॥ दहायकयार्त्तं ल. थयाखी ॥ कायमगव ॥ व.
 शुद्धागवी ॥ अन्यक वक्र गुणानविष्टानि ॥ कायमगव ॥ जमनिकानदुतयर्त्तं ॥ उं खगुनाः
 नर्त्तं ॥ उं आः खीवी नर्त्तं ॥ उं महासुवनदर सुसुगाकाम वक्रसत्तायसिर्त्तं ॥ र्यवमगुल स र्यवयनाः
 म ॥ उं सर्वमथागत ॥ मगलयाह समस रथागतर्त्तं ॥ वृद्धजक ॥ मध्यावृद्धजक ॥ पुजायसु नाया

पूजाउपसृ नयायसु ॥ आत्मानं नियोगयामि ॥ धवगनीलनदादवया ॥ उँ सर्वेनधगन ॥ समस्त
 धगनसधु ॥ वृद्धाक अशिशिमी ॥ वृद्धाकसी अशिशिनयाकथशु ॥ दाम ॥ उँ सर्वेनधगन
 वृद्धाक ॥ मंगयाह समस्तधगनसु ॥ वृद्धाक ॥ पूजायसु नाय ॥ पूजाउपसृ नयायसु
 सु ॥ आत्मानं नियोगयामि ॥ धवगनील
 पूर्वया ॥ वृद्धाक अशिशिमी ॥ वृद्धा
 न वृद्धाक ॥ मंगयाह समस्तधगन वृद्धाक ॥ पूजायसु नाय ॥ पूजाउपसृ नयायसु ॥ आत्मानं
 नियोगयामि ॥ धवगनीलनदादवया ॥ उँ सर्वेनधगन ॥ समस्तधगन दक्षिणया ॥ वृद्धाक

३६

अशिशिमी ॥ वृद्धाकसी अशिशिनयाकथशु ॥ दक्षिण ॥ उँ सर्वेनधगन यद्वताक ॥ मंगयाह स
 समस्तधगन यद्वताक ॥ पूजायसु नाय ॥ पूजाउपसृ नयाय निमिनिन ॥ आत्मानं नियोगयामि ॥
 धवगनीलनदादवया ॥ उँ सर्वेनधगन यद्वताक अशिशिमी ॥ समस्तधगनधगन
 यशिमया यद्वताकन धमेवकययकी
 क ॥ मंगयाह समस्तधगन विश्वज
 आत्मानं नियोगयामि ॥ धवगनीलनदादवया ॥ उँ सर्वेनधगन ॥ समस्तधगनउरुवया ॥ वि
 श्वजक वृद्धाकसी ॥ विश्वजकसी कमेयाकथशु ॥ उरुव ॥ उँ गुवृववया यसु नाय ॥ मंग

याह गुनुताउग याहउयसु नयायनिमिहिन ॥ आत्माननिर्यामयामि ॥ थवगविउतनदाहजः
 या ॥ सर्वसत्त्वयनिगुणार्थ ॥ समस्त सत्त्व ब्रह्मय अर्थन ॥ निर्यामयामि ॥ थवगविउतनदाह
 जया ॥ ॥ अद्य-स्त्री ॥ आव-कुंवा ॥ सर्ववज्रवाजादीकूल-यविह ॥ समस्त वज्रवा
 जादीस-कूलस-द्रुदावन ॥ सुद-ई- ॥ म-य ॥ थमन-जन-कुंवा ॥ वज्रहून-मूल्यादया ३१
 मि ॥ अश-इहून जायलयथका ॥ थ न-हूनन-स्त्री ॥ म्वनवू हूनन-कुंवा ॥ सर्ववज्रवा
 जादी ॥ समस्त वज्रवाजादीस्त्री ॥ सिद्धि-नयियास्यासि ॥ सिद्धिविभूती निभुर्यन-कुंवा लायुव ॥
 किं मगाना ॥ वृथाय भवना सिद्धिदाका ॥ सिद्धिन-व-त्वय-ई- ॥ मष्टव-हनी-चिन्-थर्व ॥

अहह मगुलसा-युवगावकशी ॥ मगुलमसाकयाहवम-काय- ॥ मा-म-समया-वा-थनिः ॥
 निरवदन-काकाल-कुंधमोहालशेयू ॥ उह्वा ॥ वज्रसुतस-थियकर्म ॥ अर्यम-समयवजा ॥ अ
 भा-कुमाउग समयवज्रस्त्री ॥ मूझानः ॥ सुलथन ॥ वगयालन-का नव-हासी-माचकि
 व ॥ यदि-स्त्रीमिम ॥ गव-सग-कुनः ॥ थयाव ॥ कस्यचिन्-युयान् ॥ सुनान-काससा
 कायमगव ॥ लुगुतस-थायकवजन ॥ वज्रसत्त्व-स्वयंम-इ ॥ वज्रसत्त्व-मथागतस्त्री-कुं
 कल-आव ॥ हृदय-समवसिग ॥ लुगुतग-वसवयंयाना ॥ निरिधमन-कल्पयायान् ॥ थि
 यारव-काकाव-लुगुतन-न-हायाव-ननान-मायकु-ई-न ॥ यदि-यूयादिमिनये ॥ (मर्व-स-का

अद्वैतसमावेदिन

काल धन निश्चय ख ॥ कारवया ॥ नृदेन नायिकं वा नि ॥ अभावे कथं नवकया लीख म ॥
 समयौ नि ॥ धर्मस्थानमागसा ॥ कामादेदं ॥ अभावायुल नवकासीमायु ॥ समय स नवकासीमायु ॥
 धर्मला नवकासीमायु ॥ मिदि अमृत नव ॥ यि यवकासृगादक ॥ गाहन अमृत अमृत लीख ॥ या
 ० यत् ॥ अयु यरुति सुवाद ॥ आवः युवुआदिन कुलजियनि ॥ वजया नि ॥ वजयाः
 लिन था मग थ ॥ यद दं नवुया ॥ गव ज बुन झा या ॥ मर्म क वुन सुया करु वी ॥ थमा
 थं याहन बुनयाय ॥ न च लया ॥ मट वदनाठ कुन ॥ इदं मवमनका ॥ जयनी अलिमानयाय ॥
 मां न विवमाय विहाय ॥ ज यागसा बुनय क वल घालन मिहाव ॥ काल क्रियी कला ॥ ज

३८

मवाजासक एभववर्दहाव ॥ नवकयननं ल्यान् ॥ महानवकास यदलविव ॥ धनन युवुआः
 दिन अलिमानयाय मभव ॥ ॥ आवना ॥ ननस्त्रि नविहा सुदरं वजसलयागमा लीव ॥
 मटिनि शुनानानक व आकावजामिना र सुयं मिथी निथाय ॥ सर्वे न था गनगु मिदिः
 मी आविगल्विनि वाययि ला नस्य ददि लीजात यरु ॥ काल यी मयु था मी उल सुय नील
 ई कारी ॥ मित्र सिर्वन व शु व वल क लगी क वा नुल म गु लाय नि र्द शु क द ॥ कारी
 क ॥ यी का वज वलट यटा का क धनार नीलानिलमल र्द वक आ ॥ कारी विहाय ॥ स्रद्धा जव
 मिश्रि मिह काय वा क जाना नीय यथा कर्म नस्य राव यु ई द ॥ कार व वन विहाय ॥ याद था नव
 आ ॥

साहाय्यमल्लादीयिर्न वीजानयही कायुगणिका ॥ रुचिक्रियननलमलुलसु नक मे ॥ कायन
 लिपुमाने गिषीमे ॥ कायनभि समूहे ॥ यादसूचि नयवृष्टे ॥ कावादि नभिरि शिभयूर्ये माने स
 मस्तगवीर्न ध्यायान् ॥ धूय ॥ आवगय ॥ सायय नवनन वालय २ दू ॥ आ ॥ मे ॥ ॥ ग
 नक्षत्रवर्तयन् ॥ ध्यानयदमावगयति ॥ कमाव ॥ सर्वसलाथ सिद्धिद लायथानुग ॥ ग
 ध्वं वृद्ध विषयं युनवागमनायन ॥ दू ॥ आ ॥ मे ॥ ॥ कमायत्यादि ॥ दू ॥ आ ॥ मे ॥ ॥ म
 वृत्त्यावगविषि ॥ ॥ ॥ युष्ययानन ॥ मसान मलुलसद्विषाव यनमभवीस गिबसगया
 सायय ॥ जाकीर्न इवाकुरुं ध्यात्वा ॥ नूतिष्ठवज दृष्टा मगव गमगमा मगव दृढयं भअभिमिष्ठ स

वसिद्धि मययवृ दू दृदृदृ दृ ॥ आरववीन वजवावा दीयमिचु कसु मांजलिनाथदा ॥ गयक ॥
 धायक ॥ वृत्त्ययं मलुलनभ्या मया गिष्ययव सिना यथयूनी मथेवाकु यवमानी कूलजय ॥ या
 दृक्किद्धि नवैरुत्था ॥ गमयसिभ्रराजन ॥ यादकयूना मरायसा ॥ कादगस्यामुमलुल ॥ ग
 दनुगिष्यसा दृवृष्टे अभियगिललाभः ॥ वरु नगदयं सहाली उँदयं विविक्त ॥ वजसल
 स्वयंभय वक्त्या टनमत्यन ॥ उद्याटय ॥ निवजाशा वजवक्र नूरुन ॥ उँहनवक्र दू ॥ अ ॥
 स्वाहा ॥ अथवट काकाक ॥ मलुलसयुजा दकला मलुलकन ॥ दवजय ॥ वृदं नम मलुलीयः
 अ ॥ थ मलुलसाहन ॥ गद्यावगन सीयमि ॥ रक्तिवगयाहन आव ॥ लीन ॥ चैन ॥ वृद्धकृसाजाः

सिद्ध

भा ॥ हर्मा वृद्ध कलस जायलयाया ॥ मुहामने नधिष्ठित ॥ मनु मुडाया अधिष्ठानश्रव ॥ सयदा १ स
 वरेदीनी ॥ सयदलाय समस्त सिद्धिया ॥ समयाया रविश्रुति ॥ धर्मया वृजमलि वृजय ॥ वजय
 यागललिने ॥ भूनामा कनूनायात्रा मः नादय ॥ मनुष्याना धर्मकनू ॥ धर्मसंस्तमा आला
 धनयाहन ॥ गिष्ठानधायक ॥ वजम गुलमहामगुलविश्रुति ॥ वजमगुल नवमगु
 लसद्दानग ॥ यागमगुल महामगुल दमिनाद ॥ यागमगुल नवमगुल खलग ॥ गु
 क्रमगुलमहामगुलदकिनाद ॥ गुक्रमगुल नवमगुल यादीकालाग ॥ हा १ हा १ हा १ ॥ मनसा
 नईवियाव यिवन वरुनखान वृवाकलहायाव ईविया यवनवगन वामावरुन दलवग

४०

३ (खान गयकायाख ॥ भिन्नसुखी प्रवायसी यगतिमहामहामहिदि ॥ भिन्नमसुखगामसुसिद्धि ॥ उरुमलकमासिद्धि ॥
 मन्त्रमौलमममासिद्धि ॥ ज्ञेयता गल्लयमासिद्धि ॥ विम्वस्यातिद्वेचिनामसमीयकिप्रसिद्धि ॥

स्वस्तिकसंविद्याव दक्षिणस लूनवग्व थर्थाधिवदिगसलूनवग्व थनलिद्विवियाव त्रिकागवरा
 नलखावहाव इहायाव यावममवनी लीगनलाहाव नमस्कात्रयाहा जद्विसिद्धिवागनी वि
 रुचयखान विहावनेसा सिद्धिमदा सु थान रुनामिसने विहावसा अकमो अंधयवन
 मरुसीलिङ्गासीविलूय ॥ ॥ थिद वयाव यद्ववायाव आसनकायउस खीन गुव
 मगुल ॥ अथावला ॥ वाधिवजल वृद्धानी यथादक्षामहामद ॥ ममायिग वमार्थाय खव
 जाश्रुददादिम ॥ मगुलविमर्जन ॥ रावना ॥ ममावजसालिखिगासदलकमलायनिगिष्टीसय
 त्रिकवजधनवृयविश्रावा ॥ आ-या-नी- ॥ गदनूखरुदीजमयूखेवानीमाननदि ग्वरुनसुथ

गतादिद्यादवीधुसंयुक्तमिष्टासिधकार्थं ॥ वृद्धानामसिधकस्तु जगत्तात्पर्यवर्जितम् । युक्तं वा यथा
 दत्तं न तथा दत्तं धिमस्यदि ॥ वृद्धायाथयन्मिष्टासिधकार्थं ॥ लावना ॥ कलमस्तु निवाचकं ॥ न
 यतथागमे ॥ युक्तसमायन्ते ॥ मेदावाग
 लनिर्गत्य गदुवेदवीधमसूयन युवमि
 लीसुवृषी सुनसत्यासिनी मधिमसूय पुन
 स्त्रिमे ॥ लावनादिविशासदिने शुभध्वजयथाकावसु वादिनगाननृत्ययुक्तमादि वृद्धिनि ॥ कल
 किमलयावर्जितं वाधिविस्तृत्युगितकलसं सुमिष्टीयान्निसृमं अतिविश्रामानं नूयवशा

४९

दिरिदवीशिवूयनीयमानं मंगलगार्मया ० यत् ॥ अतिथक ॥ यत्संगलीसकलसत्त्वद्विस्तृप्तस्य ॥
 सद्योत्सकस्यवजसर्वकुलाधियस्य ॥ नि ॥ गवदायजनकस्य महासूखस्य गनीगलीसुवृत्तमयवमा
 सिधक ॥ मामकी ॥ उं महासूखवजला
 यत्तन दृष्टाव ॥ उं नभारगवति वज
 वीववीनभवायथादि ॥ अतिथक महा
 गुक्तालयसंरुर्व ॥ उं अ ॥ वजमंजलिर्षिद्य सुनतल्लीमदं ॥ मनुमान ॥ ॥ सिधव मादनिदि
 सि स्त्रानमूडा वाग कलुयगाका ॥ अजन ॥ लावनादि कियुनि ॥ गुनमलुल लखवलि सिधम

दहननसा ॥ गणगननस मय ॥ विला ॥ वमस ॥ विकलूषा ॥ वायन माउ नव ॥ स्वा
 नंदसंदाददा ॥ थव जाननसं दादनथा ॥ रावा नाव विवा विम विनहिता ॥ दा मदा विवा
 नल माउ नव ॥ वावादीका ॥ याउ-व ॥ थथिठ वज वावादि सी नव नथा शयाग थमसकन ॥
 ॥ ७ ॥ वावादीदनाद गथिग ॥ निर्माना वि दिनग संउलगना ॥ निर्मानवजन नाति सुयसमुल
 सवद ॥ कायादि वरुवृणा ॥ ककादि वृजन आदि सवन ॥ दायाव अभा ॥ वायून
 वान ॥ या काल कालना काला मृगगवा ॥ वजलिअग्नि थदासी वृसी अमृगदान ॥ शूक्राद
 शूपायमा ॥ विवायवृदयुमा काया ॥ थु उयमा ॥ विद्या वृद्ध कर्दवक ददनि-या ॥ लावनादि
 वृद्धे वावनादि समह वायव गवावादीशन ॥ वजनथादिनी ॥ निवज उहदशव थवावा
 दी ॥ सानंदा ॥ आनंदसुनूय ॥ ललिता वृग ॥ मेनादन थं हासी मसनशन थथि वावादि सी ॥
 वृन-व ॥ दूनवय थशन वृसकनस विलस ॥ वावादीका वनसि ॥ वावादीसी विलस ॥ ॐ ॥

५५

x व कादि
 x व यादि